हिन्दी विभाग

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर 2023

14 सितम्बर हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया ने हिन्दी छात्रों के बीच हिन्दी दिवस को एक उत्सव की तरह मनाया। सुनिता मिरी के द्वारा राज्य गीत की प्रस्तुति के पश्चात् डिगेश्वरी दर्शन, देवलता साहू, देविका राठिया, गीता चन्द्रा, सुनिता मिरी और राजेश्वरी ने विभागीय शिक्षकत्रय का स्वागत किया। मंच संचालन करते हुए छाया राठौर ने भूमिका स्वरूप हिन्दी दिवस की सार्थकता और प्रारम्भ होने की स्थिति से सभी को अवगत कराया। उद्‌बोधन के क्रम में सर्वप्रथम टिकेश्वरी पटेल बी एससी भाग–एक ने ''शुद्ध–शुद्ध बोलना लिखना व्याकरण कहलाता है'' शीर्षक से मौलिक कविता पाठ करते हुए समग्र हिन्दी व्याकरण को प्रस्तुत किया। एम ए हिन्दी के छात्र अमन ने भी हिन्दी पर कविता पाठ किया। एम ए हिन्दी की कवयित्री छात्रा यामिनी राठौर ने मौलिक कविता कहते हुए ''हिन्दी की कहानी'' की प्रस्तुति दी। छाया डनसेना ने भाषा के संबंध में भाषण दिया। रोहित चन्द्रा ने ''हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा'' पर कविता पाठ किया।

हिन्दी विभाग के प्रो0 जे आर कुर्रे ने अपने उद्‌बोधन में राष्ट्रभाषा हिन्दी के बारे में सविस्तार बताया, साथ ही एक गजल की बेहतरीन प्रस्तुति देकर खूब तालियाँ बटोरी। विभागीय प्रो0 डी के संजय ने भी हिन्दी दिवस पर छात्रों को अनेक सारगर्भित बातें बताई। अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ0 रमेश टण्डन ने खड़ी बोली हिन्दी की व्युत्पत्ति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पूरे विश्व में चार प्रमुख भाषा परिवार हैं – अफ्रीका खण्ड, प्रशांत महासागरीय खण्ड, यूरेशिया खण्ड और अमरीका खण्ड। यूरेशिया के नौ भाषा परिवार होते हैं – हैमेटिक सेमेटिक, काकेशियन, यूराल अल्टाईक, चीनी, द्रविड़, आस्ट्रो एशियाटिक, जापानी कोरियाई, मलय पालिनेशियन और भारोपीय। भारोपीय के दस भेद होते हैं – कैल्टिक, इटैलिक, जर्मनिक, ग्रीक, हित्ती, तोखारी, इलीरियन, बाल्टिक, स्लाव, भारत–ईरानी। भारत–ईरानी के तीन भेद – ईरानी, दरद और भारतीय आर्य भाषा। भारतीय आर्य भाषा का क्रमिक विकास – प्राचीन भारतीय आर्य भाषा का समय 1500 ई0पू0 से 500 ई0पू0। इसमें वैदिक संस्कृत और बाद में लौकिक संस्कृत आती हैं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा का समय 500 ई0पू0 से 1000 ई0 है। इसमें 500–500 वर्षों की अवधि के लिए क्रमशः पालि, प्राकृत और अपभ्रंश आते हैं। अपभ्रंश के सात भेद हैं – शौरसेनी, मागधी, अर्द्धमागधी, महाराष्ट्री, टक्क कैकय, ब्राचड़ और खस। शौरसेनी के तीन भेद – पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी और गुजराती। पश्चिमी हिन्दी के पाँच भेद – खड़ी बोली, बुन्देली, ब्रजभाषा, हरियाणवी और कन्नौजी। इसमें से खड़ी बोली ही आज की हिन्दी है, जिसका दिवस मनाया जा रहा है। आभार रोहित चन्द्रा ने किया।

हिन्दी भाषा साहित्य परिषद के प्रभारी प्राध्यापक जे आर कुर्रे, अध्यक्ष रोहित चन्द्रा, उपाध्यक्ष छाया राठौर, सह सचिव अमन तथा सदस्यों में छाया डनसेना, सुनिता मिरी, जयप्रकाश, यामिनी राठौर, चम्पा सिदार के आयोजन में सम्पन्न हिन्दी दिवस में मुख्य रूप से सुनिता मिरी, राजेश्वरी, छाया राठौर, हेमलता सिदार, गीता कुमारी, यामिनी राठौर, श्रेया सागर, बुबुन घृतलहरे, कविता साहू, छाया डनसेना, गणेशी राठिया, रेणु पटेल, अम्बिका राठिया, रूखमणी राठिया, हेमलता बैगा, देविका राठिया, शकुनतला राठिया, देवलता साहू, डिगेश्वरी दर्शन, अन्नपूर्णा जायसवाल, नेहा भारद्वाज, शशिकला महन्त, बिन्दिया रानी, रितिक साहू, जितेन्द्र

कुमार, रोशन, जयप्रकाश पटैल, भूपेन्द्र राठिया, लीलाधर राठिया, रोहित कुमार, राजेश साहू, पंकज डनसेना, टिकेश टण्डन, अमन, पिंकी साहू, भावना केंवट, जयंती डनसेना, लकेश्वरी वैष्णव सहित ममता सिदार, सुहानी सिदार, काजल महंत, उत्तरी जोल्हे, विनयकला भारद्वाज, मिनाक्षी राठौर, सीमा चन्द्रा, ईशा सहिरन, मनप्रीत कौर, टिकेश्वरी पटेल, रंजना पटैल, नुर्मिता साहू, देवनारायण डनसेना, सुमित सिदार, दिलेश्वरी पटैल, आकाश कुमार सिदार, हिना सारथी, समीर डनसेना, दिव्या राठिया, रानी पाण्डेय, विमला पटैल, कविता यादव, शांति भारद्वाज, धनेश्वरी यादव, कविता यादव आदि हिन्दी प्रमियों ने कार्यक्रम का भरपूर आनन्द उठाते हुए हिन्दी भाषा की रोचक जानकारी सहित अनेक नई–नई बातों को जाना।

खरसिया : हिन्दी विभाग : 14 सितम्बर 2023 – हिन्दी दिवस